सांध्य दैनिक
4PM

अपनी इच्छाओं को पूर्ण करने के लिए एक निश्चित योजना बनाएं और तुरंत इसे क्रियान्वित करने की शुरुआत कर दें, चाहे आप तैयार हों या नहीं।
–नेपोलियन हिल

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्षः 9 • अंकः 142 • पृष्ठः 8 • लखनऊ, बुधवार, 28 जून, 2023

गुजरात लॉबी यूपी के लोगों का हक... 2
चुनाव की आहट, याद आए... 3
मैकेनिकों के कपड़ों की कालिख... 7

अमेरिकी ड्रोन की कीमत पर उठा सवाल

सियासी बवाल : कांग्रेस ने कहा- राफेल सौदे में जो हुआ, वही प्रीडेटर सौदे में दोहराया जा रहा

» और देशों से चार गुना ज्यादा मूल्य दे रही मोदी सरकार

» 31 ड्रोन की कीमत 25 हजार करोड़ रुपए!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अमेरिका से ड्रोन खरीद को लेकर भारत में राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस ने कहा कि प्रीडेटर ड्रोन मोदी सरकार महंगे दामों में खरीद रही है। उसने आरोप लगाया है कि दूसरे देश 4 गुना कम कीमत पर खरीदते हैं, उन्हें पीएम मोदी 880 करोड़ रुपए प्रति ड्रोन के हिसाब से खरीद रहे हैं। यानि हम 25 हजार करोड़ रुपए के 31 ड्रोन खरीद रहे हैं।

कांग्रेस ने 31 ड्रोन खरीदे जाने को लेकर सरकार के कदम पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस ने 31 ड्रोन की कीमतों को लेकर सवाल खड़े किए हैं। कांग्रेस प्रवक्ता ने साफ तौर पर कहा कि राफेल सौदे में जो हुआ, वही प्रीडेटर ड्रोन सौदे में दोहराया जा रहा है। कांग्रेस इसे अधिक कीमतों पर खरीदने का आरोप लगा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हाल में ही अमेरिका दौरे पर थे। इस दौरान अमेरिका और भारत के बीच कई बड़े समझौते हुए हैं।

कीमत अभी तय नहीं : रक्षा मंत्रालय

रक्षा मंत्रालय ने अमेरिका के साथ हुए ड्रोन सौदे में मूल्य घटक के साथ अधिग्रहण प्रक्रिया को लेकर सोशल मीडिया में साझा की जा रही रिपोर्ट को खारिज करते हुए कहा है कि भारत ने अमेरिका से 31 एमक्यू-9बी ड्रोन की खरीद के लिए कीमत एवं अन्य शर्तों को अभी तय नहीं किया है। मंत्रालय ने कहा कि वह ड्रोन खरीद लागत की तुलना इसके विनिर्माता जनरल एटॉमिक्स (जीए) द्वारा अन्य देशों को बेची गई कीमत से करेगा और खरीद निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार की जाएगी।

ये है समझौता

भारत और अमेरिका ने 31 हाई एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस (एचएएलई) यूएवी के लिए तीन अरब अमेरिकी डॉलर का समझौता किया, जिसमें से नौसेना को 15 सी-गार्डियन ड्रोन मिलेंगे, जबकि थलसेना और भारतीय वायुसेना को आठ-आठ स्काई-गार्डियन ड्रोन मिलेंगे। दोनों देशों के एक संयुक्त बयान में पुष्टि की गई कि इन अत्याधुनिक ड्रोन को भारत में तैयार किया जाएगा, जिससे भारतीय सशस्त्र बलों की खुफिया, निगरानी और लक्ष्य प्राप्ति क्षमताओं में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

राहुल गांधी 29 जून को जाएंगे मणिपुर

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी आगामी 29 और 30 जून को हिंसा प्रभावित मणिपुर का दौरा करेंगे, जहां वह राहत शिविरों में लोगों से मुलाकात करने के साथ ही सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों से भी बातचीत करेंगे। पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने यह जानकारी दी। वेणुगोपाल ने ट्वीट कर कहा, राहुल गांधी जी 29 और 30 जून को मणिपुर का दौरा करेंगे। वह इंफाल और चुराचांदपुर में राहत शिविरों में जाएंगे और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे। वेणुगोपाल के मुताबिक, मणिपुर पिछले 2 महीने से हिंसा की आग में झुलस रहा है और इस वक्त वहां मरहम लगाने की जरूरत है, ताकि शांति की तरफ बढ़ा जा सके।

मोदी के महंगे शौक देश को महंगे पड़ रहे : पवन खेड़ा

कांग्रेस के पवन खेड़ा ने कहा कि पीए मोदी के महंगे शौक देश को महंगे पड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो प्रीडेटर ड्रोन दूसरे देश 4 गुना कम कीमत पर खरीदते हैं, उन्हें पीएम मोदी 880 करोड़ रुपए प्रति ड्रोन के हिसाब से खरीद रहे हैं। यानि हम 25 हजार करोड़ रुपए के 31 ड्रोन खरीद रहे हैं। खेड़ा ने कहा कि राफेल सौदे में जो हुआ, वही अमेरिका के साथ प्रीडेटर ड्रोन सौदे में दोहराया जा रहा है। दूसरे देश उन्हीं ड्रोनों को चार गुना से भी कम कीमत पर खरीद रहे हैं। भारत 31 प्रीडेटर ड्रोन 3 बिलियन अमेरिकी डॉलर यानी 25,000 करोड़ रुपये में खरीद रहा है। हम 880 करोड़ रुपये में ड्रोन खरीद रहे हैं।

सेंसर बोर्ड का 72 हूरें के ट्रेलर को सर्टिफिकेट देने से इनकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आतंकवाद के काले सच पर आधारित फिल्म 72 हूरें टीजर के साथ ही चर्चा में बनी हुई है। कुछ दिनों पहले फिल्म के ट्रेलर रिलीज की घोषणा की गई थी कि ये 28 जून को आ रहा है। हालांकि, केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड ने 72 हूरें के ट्रेलर को सर्टिफिकेट देने से मना कर दिया है। मेकर्स फिर भी पीछे नहीं हटे और ट्रेलर को बुधवार को डिजिटल रिलीज की कर दिया है।

72 हूरें को लेकर इस पूरे मामले में सबसे दिलचस्प बात ये है कि केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड ने फिल्म को पास कर दिया है। इसके साथ ही फिल्म को थिएटर्स में स्क्रीनिंग की अनुमति दे दी गई। वहीं, जब ट्रेलर की बात आई तो सेंसर बोर्ड ने इसे आपत्तिजनक बताते हुए सर्टिफिकेट देने से इनकार कर दिया।

मेकर्स हुए नाराज, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय जाएंगे

केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के इस फैसले को लेकर 72 हूरें के मेकर्स नाराज है। उन्होंने इस पूरे मामले को उच्च अधिकारियों के पास ले जाने की बात कही है। उन्होंने ये भी कहा कि वे मामले को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ले जाएंगे और सीबीएफसी के उच्च अधिकारियों से पूछताछ करने का अनुरोध करेंगे।

जब भाजपा पर कानूनी कार्रवाई होती है तो वह रोने लगती है : प्रियांक खरगे

» राहुल गांधी के खिलाफ ट्वीट करने पर भाजपा आईटी सेल प्रमुख पर एफआईआर दर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। बीजेपी आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय के खिलाफ दर्ज एफआईआर पर कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा कि भाजपा को जब भी कानून की आंच झेलनी पड़ती है तो वे रोते हैं। कर्नाटक कांग्रेस ने कथित तौर पर राहुल गांधी का मजाकउड़ाने के लिए बुधवार को बेंगलुरु में बीजेपी नेता और आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है।

मालवीय पर राहुल गांधी के एक एनिमेटेड वीडियो को लेकर मामला दर्ज किया गया है। कांग्रेस के रमेश बाबू की शिकायत के बाद, कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ उनके ट्वीट के लिए बेंगलुरु के हाई ग्राउंड्स पीएस में आईपीसी की धारा 153 ए 120 बी 505 (2), 34 के तहत मामला दर्ज किया गया था। इस बीच, ताजा घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने भारतीय जनता पार्टी की आलोचना की और कहा कि नेताओं को देश के कानून का पालन करने में समस्या है। इसके अलावा, उन्होंने भगवा पार्टी से उस एफआईआर को इंगित करने के लिए कहा जिसे भाजपा समझती है कि यह गलत इरादे से दर्ज की गई है। मैं बीजेपी से पूछना चाहता हूं कि एफआईआर का कौन सा हिस्सा गलत इरादे से दर्ज किया गया है। हमने कानूनी राय लेने के बाद ऐसा किया है।

भाजपा चुनाव की पवित्रता नष्ट कर रही : अखिलेश

बोले- बीजेपी की घर-घर जाकर खोलेंगे पोल

» मरीजों के साथ सरकार कर रही खिलवाड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा जबसे सत्ता में आई है, देश की अर्थव्यवस्था, सामाजिक सद्भाव और लोकतंत्र को तहस-नहस करने पर तुली है। भाजपा लोकसभा चुनाव-2024 की पवित्रता भी नष्ट करने की रणनीति बनाने में लगी है। इसलिए सपा की ओर से कहा गया है कि बूथस्तर तक संगठन को मजबूती दी जा रही है।

प्रशिक्षण शिविरों के माध्यम से सपा के कार्यकर्ताओं को भाजपा की साजिशों और चुनावी हथकंडों से परिचित कराया जा रहा है। भाजपा ने विकास के नाम पर जनता को जो धोखा दिया है, उसको घर-घर और जन-जन तक पहुंचाने का समाजवादी पार्टी का संकल्प है। अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में समाजवादी सरकार में जो उल्लेखनीय विकास कार्य हुए थे, भाजपा सरकार उन विकास कार्यों को बर्बाद करने पर तुली है। सरकारी और प्रशासनिक उत्पीड़न से जनता क्षुब्ध और आक्रोशित है। पुलिस गरीबों के घर उजाड़ रही है। उन्होंने कहा कि नागरिक अधिकार छीने जा रहे हैं। अखिलेश यादव ने ट्वीट करके कहा कि मेडिकल कॉलेजों में कुत्तों की उपस्थिति स्वास्थ्य के लिए हानिकारक और खतरनाक है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि मेडिकल कॉलेजों में मरीजों के साथ भाजपा सरकार खिलवाड़ क्यों कर रही है। भाजपा बताए, उसने गरीबों के लिए कोई भी नया जिला अस्पताल क्यों नहीं बनाया। कहीं वो प्राइवेट अस्पतापलों को लाभ तो नहीं पहुंचा रही है।

पूर्व सीएम के ट्वीट से गरमाया लखनीपुर मामला

बाजार शुकुल (अमेठी)। अमेठी के एक सड़क किनारे अतिक्रमण के मामले की गई प्रशासन की कार्रवाई पर सपा मुखिया अखिलेश यादव सख्त ऐतराज किया है। हालांकि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इसको लेकर ट्वीट किया तो प्रशासनिक तंत्र ने तत्काल अपना पक्ष रखकर स्थिति साफ की। दरअसल, लखनीपुर गांव में सड़क के लिए आरक्षित भूमि से सोमवार को हटाए गए अतिक्रमण के मामले ने मंगलवार को सियासी रंग ले लिया। फिलहाल, गांव में पुलिस तैनात की गई है। बाजारशुकुल के लखनीपुर गांव में लोक निर्माण विभाग की जमीन से सोमवार को प्रशासन ने अतिक्रमण हटाया था। इस दौरान विरोध कर रहे लोगों को हिरासत में लिया गया था। गांव में सतर्कता के मद्देनजर पुलिस तैनात की गई है। इधर, मंगलवार को पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने ट्वीट करते हुए प्रशासनिक कार्रवाई पर सवाल खड़ा किया। समाजवादी पार्टी के सोशल मीडिया सेल ने भी इसको लेकर प्रशासन को घेरा। इसके बाद कलेक्ट्रेट सभागार में डीएम राकेश कुमार मिश्र ने प्रशासन का पक्ष रखा। कहा कि इस मामले में लोक निर्माण विभाग की जमीन से अतिक्रमण खाली कराया गया है। हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल है। जुलाई के पहले सप्ताह में वहां पर सुनवाई होनी है।

क्या देश की वित्तमंत्री टमाटर खाती हैं : प्रियंका

» सीतारमण ने 2019 में कहा था-मैं प्याज-लहसुन नहीं खाती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना यूबीटी की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर तंज कसते हुए एक ट्वीट किया है। अपने ट्वीट में प्रियंका चतुर्वेदी ने लिखा कि क्या देश की वित्त मंत्री टमाटर खाती हैं? क्या टमाटर के बढ़ते दामों का जवाब दे पायेंगी? देश में टमाटर की बढ़ी हुई कीमतों को लेकर राजनीति तेज हो गई है। देश के कई हिस्सों में टमाटर 100 रुपये के आसपास बिक रहा है जो कि अब से तीन-चार दिन पहले तक 30 से 40 रुपये के भाव में बिक रहा था। इन सब के बीच शिवसेना यूबीटी की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर तंज कसते हुए एक ट्वीट किया है। अपने ट्वीट में प्रियंका चतुर्वेदी ने लिखा कि क्या देश की वित्त मंत्री टमाटर खाती हैं? क्या टमाटर के बढ़ते दामों का जवाब दे पायेंगी?

चतुर्वेदी ने सीतारमन पर यूं ही कटाक्ष नहीं किया है। 2019 में संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान एक ऐसा ही घटनाक्रम हुआ था। उस समय प्याज की बढ़ती हुई कीमतों पर बवाल मचा हुआ था। विपक्ष ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से सवाल किया। सवाल के जवाब में वित्त मंत्री ने कहा था कि वह एक ऐसे परिवार से आती हैं, जहां प्याज-लहसुन ज्यादा नहीं खाया जाता। उन्होंने कहा था कि मेरे परिवार में बहुत ज्यादा प्याज-लहसुन का इस्तेमाल नहीं होता है।

गुजरात लॉबी यूपी के लोगों का हक छीन रही : पल्लवी पटेल

» भाजपा से कोई दिक्कत नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। साल 2022 के विधानसभा चुनावों में सपा के टिकट पर चुनाव लड़कर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य को शिकस्त देने वाली अपना दल (कमेरावादी) की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पल्लवी पटेल को भाजपा से कोई गुरेज नहीं है, लेकिन उन्हें दिक्कत है भाजपा को चलाने वाली गुजराती लॉबी से। उनका कहना है कि यह गुजराती लॉबी उत्तर प्रदेश में अपना एजेंडा चला रही है।

पल्लवी पटेल ने कहा कि गुजरात की लॉबी यूपी के लोगों का हक छीन रही है। कमाई के जिन संसाधनों पर उत्तर प्रदेश के स्थानीय लोगों का हक है, वे सभी इसी गुजरात लॉबी के हवाले किए जा रहे हैं। इस लॉबी को हटाया जाना चाहिए।

स्थानीय लोगों को मौका मिले

भाजपा से विरोध के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने आगे कहा कि भाजपा अगर समाज और विकास की बात करती है तो उसे यहां के स्थानीय लोगों को मौका देना चाहिए। तमाम स्थानीय लोगों में योग्यता भी है और विजन भी। उन्हें मौका मिलना चाहिए, लेकिन गुजराती लॉबी के कारण उन्हें मौका ही नहीं मिल रहा। सब कुछ जैसे उसी लॉबी के लिए है। पल्लवी से जब गुजरात लॉबी का अर्थ विस्तार से बताने को कहा गया तो उन्होंने बिना किसी का नाम लिए कहा कि देश की सत्ता भाजपा के अंदर बैठे गुजराती लोग ही तो चला रहे हैं। ये लोग उत्तर प्रदेश और दूसरे राज्यों के स्थानीय लोगों के हक और रोजगार के अवसरों को गुजरात की तरफ लेकर जा रहे हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए।

केंद्र के आदेश पर केजरीवाल की होगी जांच

» सीएम आवास रेनोवेशन खर्च का होगा सीएजी ऑडिट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक यानी कैग दिल्ली में सीएम केजरीवाल के आवास में हुई प्रशासनिक और वित्त अनियमितता के आरोपों के बाद विशेष ऑडिट करेगा। राजभवन ने कहा कि केंद्र सरकार के अनुरोध पर कैग इस संबंध में ऑडिट करेगा। एलजी हाउस के ऑफिस से मिली जानकारी के अनुसार, कैग दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के सिविल लाइंस में 6, फ्लैट स्टाफ रोड स्थित सरकारी बंगले के रेनोवेशन में हुई प्रशासनिक और वित्त अनियमितताओं की जांच की जाएगी। इसके लिए विशेष ऑडिट होगा।

भाजपा ने दावा किया था कि यह नवीकरण नहीं बल्कि पुराने की जगह नया ढांचा तैयार किया गया है। इसमें उनका कैंप कार्यालय भी है। इस मामले में दस्तावेज से पता चलता है कि 43.70 करोड़ रुपये की स्वीकृत राशि के बजाय सिविल लाइंस के 6, फ्लैट स्टाफ रोड स्थित केजरीवाल के सरकारी आवास की शक्ल बदलने पर 44.78 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे। दस्तावेज में 9 सितंबर, 2020 से जून, 2022 के बीच 6 बार में राशि खर्च की गई। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता अजय माकन ने एलजी को चिट्ठी लिखी थी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास के रेनोवेशन में पूरी तरह से नियमों का उल्लंघन किया गया था। रेनोवेशन पर फिजूलखर्ची की गई। माकन ने आरोप लगाया था कि सीएम केजरीवाल ने अपने आवास पर 171 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। रिपोर्ट में दावा है कि रेनोवेशन पर 45 करोड़ रुपये खर्च हुए थे।

बीजेपी हताशा में राजनीतिक विरोधियों की दबा रही आवाज : आप

आप पार्टी ने कहा कि भाजपा को पता है कि 2024 के आम चुनाव में उसका सफाया होने जा रहा है। इसी हताशा में राजनीतिक विरोधियों की आवाज दबाने के लिए केंद्र की सरकार जांच एजेंसियों के खुलेआम दुरुपयोग पर उतारू है। जहां तक मुख्यमंत्री आवास के पुनर्निर्माण में खर्च की कैग जांच का सवाल है तो यह पिछले साल भी हो चुकी है और इसमें एक पैसे की गड़बड़ी नहीं मिली थी। अब दोबारा से उसी कैग जांच का आदेश देना भाजपा की हताशा, सनक और तानाशाही को उजागर कर रहा है। इस तरह केंद्र दिल्ली सरकार के अधिकारों का अतिक्रमण कर संविधान का भी उल्लंघन कर रही है। दिल्ली में लगातार एक के बाद एक चुनावी हार से बौखलाई भाजपा न सिर्फ मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की ईमानदार सरकार को बदनाम करने, बल्कि पर्दे के पीछे से यहां की सत्ता हथियाने की भी साजिश रच रही है।

बीजेपी विधायक ने अपनी सरकार को कोसा

» जज्जी बोले- जब सीएम आते हैं तभी आती है लाइट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अशोकनगर। मध्यप्रदेश में कमोबेश 15 साल से अधिक समय से सत्ता पर काबिज भारतीय जनता पार्टी के विधायक ही पार्टी की नीतियों से प्रभावित नजर आ रहे हैं। ये हम नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश के अशोकनगर विधायक खुद फोन पर चर्चा करते हुए विद्युत अधिकारी से कहते हुए नजर आए। इसमें वे विद्युत की समस्या से परेशान जनता के लिए कह रहे हैं कि जब दो दिवस पूर्व मंत्री और मुख्यमंत्री यहां आए थे तो उस दिन लाइट नहीं गई थी। उसके बाद से रोजाना रही है। यानी ये सब कुछ जानबूझकर किया जा रहा है। यदि आप लोग चाहो तो लाइट नहीं जाएगी।

दरसअल, अशोकनगर क्षेत्र में पिछले कई दिनों से लाइट जाने की समस्या बढ़ गई है, जिनका सोशल मीडिया पर लोगों के द्वारा तरह-तरह की समस्याओं का कारण पूछा जा रहा है। वहीं, अशोकनगर के विधायक जजपाल सिंह जज्जी का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वे विद्युत विभाग के अधिकारी डीई से फोन पर चर्चा कर रहे हैं और क्षेत्र में जगह-जगह लाइट जाने का रिकॉर्ड भी पूछ रहे हैं। चर्चा के दौरान किस तरह से वे क्षेत्र में विद्युत प्रवाह न मिलने के कारण क्षेत्रवासियों के साथ खड़े होने की बात कहते नजर आ रहे हैं। इसमें उनके द्वारा यह भी कहा गया है कि क्यों क्षेत्रवासियों के साथ दोगला व्यवहार किया जा रहा है। क्षेत्र में कोई बड़ा नेता आता है तो उस दिन दिन या रात में लाइट नहीं जाती, कुछ दिन पहले ही मुंगावली विधायक एवं पीएचई राज्य मंत्री की बेटी की शादी हुई थी। उस दिन प्रदेश के दो बड़े नेताओं का उस शादी में शामिल होने के लिए आना था। उस दिन कहां से यह लाइट की व्यवस्था हुई थी, अगर लाइट की कमी है तो बता दें। बताते चलें, अशोकनगर प्रदेश सरकार के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर का प्रभारी जिला है। लेकिन यहां देखने में यह मिल रहा है कि अशोकनगर जिले के साथ-साथ कई क्षेत्रों में विद्युत प्रवाह न मिलने के कारण परेशानी बनी हुई है।

रेलगाड़ी को झंडी तो स्टेशन मास्टर भी दिखा सकता था : कुणाल चौधरी

शाजापुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को मध्यप्रदेश के भोपाल में रानी कमलापति स्टेशन से नई भोपाल-इंदौर वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाए। इसको लेकर कांग्रेस के कालापीपल विधायक कुणाल चौधरी ने कटाक्ष करते कहा, स्पेशल ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के लिए देश के प्रधानमंत्री को आना पड़ा। यह काम तो स्टेशन मास्टर भी कर सकते हैं। उन्होंने कहा, रेल मंत्री भी यह काम कर सकते हैं, वह भी एक ऐसी ट्रेन जिसका किराया एक आम आदमी वहन नहीं कर सकता। साथ ही उन्होंने ट्रेन के रूट को लेकर कहा कि भोपाल से लेकर इंदौर के बीच में सिर्फ एक ही स्टेशन दिया गया है। इससे यही लगता है कि पूंजीपति और उद्योगपतियों के लिए यह ट्रेन चलाई जा रही है। आम नागरिक के लिए इसमें सफर करना दुश्वार है। वहीं, उन्होंने मोदी सरकार पर वादा पूरा नहीं करने के कई आरोप लगाए। चाहे वह बेरोजगारी का मामला हो या किसानों की आय दोगनी करने का, सभी मामलों में उन्होंने कांग्रेस सरकार का पक्ष रखते हुए भाजपा सरकार को आड़े हाथ लिया है।

चुनाव की आहट, याद आए मुसलमान

पीएम मोदी ने मप्र शुरू किया चुनावी अभियान

» ओवैसी ने कहा सब दिखावा

» ममता बोलीं-सयम से पहले चुनाव करवाने की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विदेश में भारतीय मुस्लिमों के भेदभाव के प्रश्न पर घिरे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वदेश लौटते ही उनको अपनी ओर खींचने में लग गए। भोपाल में भाजपा कार्यकर्ताओं के कार्यक्रम में उन्होंने पसमंदा मुस्लिमों की समस्याओं का जिक्र करके और समाधान की बात करके ये जताने की कोशिश की है कि वह मुस्लिम समाज के सबसे बड़े हितैषी हैं। मोदी के मुस्लिम प्रेम के जगने के बाद विपक्ष ने भी उनको घेरा है। ओवैसी ने कहा ये सब दिखावा है तो टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने कहा है चुनाव समय से पहले करवाने के इरादे से विशेष समुदायों को लुभाने की कोशिश की जा रही है।

उधर एकबार फिर से भाजपा ने मध्य प्रदेश को चुनावी प्रयोगशाला की तरह उपयोग करने का फैसला किया। इसी बाबत पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के साथ लोकसभा चुनाव 2024 के लिए सबसे बड़ा चुनावी अभियान 'मेरा बूथ-सबसे मजबूत का आगाज मध्य प्रदेश से कर दिया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष भोपाल पहुंच गए। दोनों नेताओं ने सभी लोकसभा सीटों से चयनित बूथ कार्यकर्ताओं से चर्चा भी की। इन पांचों राज्यों के विधानसभा चुनाव को लोकसभा चुनाव के सेमीफाइनल के तौर पर देखा जा रहा है। मध्य प्रदेश और गुजरात में बूथ पैटर्न सेट करने के बाद भाजपा लगातार सत्ता में आई। प्रदेश में अभी 64 हजार बूथ है। इनमें भाजपा ने चुनावी प्रबंधन के लिए बूथ प्रभारी से लेकर पन्ना प्रमुख तक नियुक्त कर दिए हैं। इन 64 हजार बूथ पर पीएम मोदी के संबोधन को सुनने और देखने के लिए स्क्रीन्स लगाई गईं। इनमें लोगों को भी बूथ स्तर पर ही कार्यक्रम में जोड़ा गया।

पांच राज्यों में 85 सीटों पर दांव

पांचों राज्यों से लोकसभा की 85 सीटें आती हैं। वहीं, मध्यप्रदेश को भाजपा और संघ के सबसे मजबूत किले तौर पर जाना जाता है। पूरे देश में भाजपा की बूथ समितियों में 80 लाख सदस्य हैं, इनमें सबसे ज्यादा 40 लाख सदस्य अकेले मध्यप्रदेश से हैं। मध्यप्रदेश में कुशाभाऊ ठाकरे के समय से भाजपा का संगठन सबसे ज्यादा मजबूत रहा है। मध्यप्रदेश को संघ और भाजपा की प्रयोगशाला के तौर पर भी जाना जाता है। यानी भाजपा के सभी प्रयोग और नवाचार मध्य प्रदेश में सफल होते रहे हैं। इसलिए पार्टी मध्यप्रदेश में यह बड़ा आयोजन करने जा रही है। प्रदेश में भाजपा की सरकार है, जबकि छत्तीसगढ़-राजस्थान में कांग्रेस की सरकारें हैं। तेलंगाना में केसीआर की पार्टी सत्ता में है, मिजोरम में भाजपा के समर्थन से सरकार चल रही है। लोकसभा सीटों के हिसाब से सबसे ज्यादा मध्यप्रदेश में 29, राजस्थान में 25, तेलंगाना में 17, छत्तीसगढ़ में 11 लोकसभा सीटें हैं, जबकि मिजोरम लोकसभा की एक सीट है। इस तरह 543 लोकसभा सीटों के लिहाज से देखें तो इन राज्यों में 15 प्रतिशत से भी ज्यादा सीटें हैं। इसी वजह से ये कहा जा रहा है कि इन विधानसभा चुनावों के नतीजे लोकसभा चुनाव पर बड़ा प्रभाव छोड़ेंगे।

भाजपा छह महीने और रहेगी : ममता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि केंद्र में भाजपा सरकार सिर्फ छह महीने और है क्योंकि अगले साल फरवरी मार्च में चुनाव हो जाएंगे। जलपाईगुड़ी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने ये दावा किया। ममता बनर्जी ने ये भी कहा कि बीएसएफ को निष्पक्षता से काम करना चाहिए क्योंकि भाजपा शायद कल सत्ता में ना रहे। भाजपा को अपनी हार दिख रही है और वह विभिन्न समुदायों को लुभाने की कोशिश भी नहीं कर रही है। उल्लेखनीय है कि साल 2019 में लोकसभा चुनाव अप्रैल-मई में हुए थे। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने दूसरे कार्यकाल की शपथ 30 मई 2019 को ली थी। उन्होंने कहा जो लोग सीमावर्ती इलाकों में बीएसएफ की फायरिंग में मारे गए हैं, उनके परिजनों को दो-दो लाख रुपए की आर्थिक सहायता और नौकरी दी जाएगी। बनर्जी ने कहा कि वह बीएसएफ के सभी जवानों पर आरोप नहीं लगा रही हैं, वह हमारी सीमा की रक्षा करते हैं लेकिन बीएसएफ को निष्पक्षता से काम करना चाहिए हो सकता है भाजपा कल सत्ता में ना रहे लेकिन उन्हें अपनी नौकरी करनी होगी। ममता बनर्जी ने सीमावर्ती इलाकों में बीएसएफ पर मतदाताओं को डराने का आरोप लगाया था। हालांकि बीएसएफ ने ममता बनर्जी के आरोपों को पूरी तरह खारिज कर दिया और कहा कि उनके बयान सच से परे हैं। बता दें कि पश्चिम बंगाल में 8 जुलाई को पंचायत चुनाव के लिए मतदान होना है।

समान नागरिक संहिता पर भड़काया जा रहा है : मोदी

पीएम मोदी ने यूसीसी पर बड़ा बयान दिया है। समान नागरिक संहिता के नाम पर लोगों को भड़काने का काम हो रहा है। देश दो कानूनों पर कैसे चल सकता है? भारत के संविधान में भी नागरिकों के समान अधिकार की बात कही गई है। सुप्रीम कोर्ट ने बार-बार कहा है कि समान नागरिक संहिता लाओ, लेकिन ये वोट बैंक के भूखे लोग हैं। प्रधानमंत्री ने तीन तलाक को लेकर कहा, जो भी तीन तलाक के पक्ष में बात करते हैं ये लोग मुस्लिम बेटियां के साथ बहुत बड़ा अन्याय कर रहे हैं, तीन तलाक से सिर्फ बेटियों को नुकसान नहीं होता है बल्कि इससे पूरा परिवार तबाह हो जाता है, मैं समझता हूं कि मुसलमान बेटियों पर तीन तलाक का फंदा लटका कर कुछ लोग उन पर हमेशा अत्याचार करने की खुली छूट चाहते हैं।

घड़ियाली आंसू बहा रहे प्रधानमंत्री : ओवैसी

एआईएमआईएम चीफ और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने यूसीसी के मुद्दे को लेकर पीएम मोदी पर निशाना साधा है। उन्होंने मंगलवार (27 जून) को ट्वीट किया, नरेंद्र मोदी ने तीन तलाक, यूनिफॉर्म सिविल कोड और पसमांदा मुसलमानों पर कुछ टिप्पणी की है। लगता है मोदी जी ओबामा की नसीहत को ठीक से समझ नहीं पाए। असदुद्दीन ओवैसी ने आगे लिखा, मोदी जी ये बताइए कि क्या आप हिन्दू अविभाजित परिवार को खत्म करेंगे? इसकी वजह से देश को हर साल 3064 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। एक तरफ आप पसमांदा मुसलमानों के लिए घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं और दूसरी तरफ आपके प्यादे उनकी मस्जिदों पर हमला कर रहे हैं, उनका रोजगार छीन रहे हैं, उनके घरों पर बुलडोजर चला रहे हैं, उनकी लिंचिंग के जरिए हत्या कर रहे हैं और उनके आरक्षण की मुखालिफत भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आप डिफरेंट सेट ऑफ रूल की बात करते हैं तो यूनाइटेड हिंदू फैमिली को ही सिर्फ टैक्स क्यों दिया जा रहा है। क्या ये संविधान के राइट ऑफ इक्वालिटी के खिलाफ नहीं है. इस्लाम में शादी एक कॉंट्रेक्ट है हिंदू में जन्म-जन्म का साथ,

यूनिफॉर्म सिविल कोड की नहीं, हिंदू सिविल कोड की बात है, भारत के मुसलमान को टारगेट करना मकसद है। ओवैसी ने पीएम पर हमला जारी रखते हुए कहा कि पाकिस्तान का हवाला देते हुए मोदी जी ने कहा है के वहां तीन तलाक पर रोक है. मोदी जी को पाकिस्तान के कानून से इतनी प्रेरणा क्यों मिल रही है? आपने तो यहां तीन तलाक के खिलाफ कानून भी बना दिया, लेकिन उसका जमीनी स्तर पर कुछ फर्क नहीं पड़ा बल्कि महिलाओं पर शोषण और बढ़ गया है। हम तो हमेशा से मांग कर रहे हैं कि कानून से समाज-सुधार नहीं होगा। अगर कानून बनाना ही है तो उन मर्दों के खिलाफ बनाना चाहिए जो शादी के बाद भी अपनी पत्नी को छोड़ कर फरार हो जाते हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

भयावह होती जा रही आकस्मिक बाढ़

कुछ सालों से भारत में बारिश के महीने में अचानक बाढ़ आने की धटनाएं आम बात हो गई हैं। ये बाढ़ इतने भयावह होते है जान-माल दोनों को नुकसान पहुंचाते हैं। बीते हफ्ते अचानक (आकस्मिक बाढ़)आई बाढ़ ने हिमाचल में कहर बरपाया। इससे घरों से लेकर सड़कों तक को नुकसान पहुंचा। इससे राष्ट्रीय राजमार्ग बंद तक बंद हो गए। बारिश की वजह से एक विशेष प्रकार की बाढ़, जिससे थोड़े समय में नदी या नाले का जलस्तर बढ़ जाए। अमेरिकी मौसम विज्ञान एजेंसी नेशनल वेदर सर्विस के अनुसार, अचानक बाढ़ तब आती है, जब छह घंटे से भी कम समय में बारिश से जलस्तर खतरनाक स्तर तक बढ़ जाता है। यह अक्सर भारी या अत्यधिक वर्षा के कारण होता है। यह स्थिति नदियों या झीलों के पास के क्षेत्रों में उत्पन्न हो सकती है।

अचानक बाढ़ आमतौर पर वहां आती है जहां नदियां संकरी और ढलाननुमा होती हैं, इसलिए वे अधिक तेजी से बहती हैं। ये बाढ़ छोटी नदियों के पास स्थित क्षेत्रों में हो सकती हैं, क्योंकि सड़कें और कंक्रीट जैसी कठोर सतहें पानी को जमीन में अवशोषित नहीं होने देती हैं। एक तथ्य यह भी है कि कभी-कभी बारिश न होने पर भी आकस्मिक बाढ़ आ सकती है। उदाहरण के लिए, किसी तटबंध या बांध के टूटने के बाद या किसी मलबे या बर्फ के जमाव के कारण अचानक पानी छोड़े जाने के बाद। भारत में आकस्मिक बाढ़ अक्सर भारी या अत्यधिक वर्षा के कारण होती है। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि कुल वर्षा का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा केवल चार महीनों जून से सितंबर में रहता है। इन्हीं वजहों से इन महीनों के दौरान नदियों में भारी जल-प्रवाह होता है। इसका एक अन्य कारण बादल फटना या तूफान भी हो सकता है। विशेषज्ञों की मानें तो ओडिशा, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु के तटीय क्षेत्रों में दवाब और चक्रवाती तूफान भी अचानक बाढ़ का कारण बनते हैं। इसके अलावा अरुणाचल प्रदेश, असम, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, महाराष्ट्र के पश्चिमी घाट और केरल राज्य बादल फटने से होने वाली अचानक बाढ़ के मामले में अधिक संवेदनशील हैं। मौसम विशेषज्ञों ने यह भी चेतावनी दी थी कि तापमान में वृद्धि से अचानक बाढ़ में वृद्धि होगी। उन्होंने 2030 तक हिमालय क्षेत्र में तापमान 2.6 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने और तीव्रता में 2-12 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान जताया है। इसके चलते अचानक बाढ़ की घटनाएं बढ़ेंगी, जिससे बड़े पैमाने पर भूस्खलन होगा।

“ अमेरिकी मौसम विज्ञान एजेंसी नेशनल वेदर सर्विस के अनुसार, अचानक बाढ़ तब आती है, जब छह घंटे से भी कम समय में बारिश से जलस्तर खतरनाक स्तर तक बढ़ जाता है। यह अक्सर भारी या अत्यधिक वर्षा के कारण होता है। यह स्थिति नदियों या झीलों के पास के क्षेत्रों में उत्पन्न हो सकती है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

समान संहिता से धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र को मजबूती

डॉ. भारत

संपूर्ण संप्रभुता-संपन्न, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक, गणराज्य भारत के संविधान के अंतर्गत भाग-IV में 'समान नागरिक संहिता' अनुच्छेद-44 के माध्यम से राज्य के नीति-निर्देशक तत्वों में वर्णित है। इसमें कहा गया है कि 'राज्य, भारत के समस्त राज्यक्षेत्र में नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता प्राप्त कराने का प्रयास करेगा।' यहां यह ध्यान देना दिलचस्प है कि इसी संविधान के अनुच्छेद-37 में यह परिभाषित है कि राज्य के नीति निर्देशक तत्व सम्बन्धी प्रावधानों को किसी भी न्यायालय द्वारा प्रवर्तित नहीं किया जा सकता है, लेकिन इसमें निहित सिद्धांत शासन व्यवस्था में मौलिक प्रकृति के होंगे। 'समान नागरिक संहिता' से देश के प्रत्येक नागरिक के लिए एक समान कानून होता है, चाहे वह किसी भी धर्म, जाति या समुदाय से क्यों न हो। वर्तमान में मुसलमानों, ईसाइयों और पारसियों के लिए अपने अलग-अलग व्यक्तिगत नियम हैं जबकि हिंदू दीवानी कानून के तहत हिंदू, सिख, जैन और बौद्ध आते हैं।

भारत में सामयिक प्रचलित व्यवस्था के विपरीत, 'समान नागरिक संहिता' इस विचार पर आधारित है कि सभ्य समाज में धर्म और व्यक्तिगत कानून के बीच कोई संबंध नहीं होता है तथा इसमें विवाह, तलाक, रखरखाव/भरण-पोषण, बच्चों को गोद लेने, संरक्षकता-विरासत, और संपत्ति के बंटवारे/उत्तराधिकार जैसे सभी विषयों को धर्मों-जातियों-समुदायों के लिए समान रूप से लागू किया जाता है। भारत में समान नागरिक संहिता वाले 'गोवा' राज्य के अलावा वर्तमान में अधिकांश भारतीय कानून जैसे भारतीय अनुबंध अधिनियम, 1872; साक्ष्य अधिनियम, 1872; संपत्ति हस्तांतरण अधिनियम, 1882; नागरिक प्रक्रिया संहिता, 1908; माल-विक्रय अधिनियम, 1930; भागीदारी अधिनियम, 1932; दंड प्रक्रिया संहिता, 1973 आदि पुरे भारतवर्ष में सम्पूर्ण एकरूपता से लागू किये जाते हैं। नागरिक कानूनों में भी समरूपता लाने के लिए अलग-अलग समय पर न्यायपालिका ने अक्सर अपने निर्णयों में पुरजोर आवाज उठाई है कि सरकार को समान नागरिक संहिता सुनिश्चित करने की दिशा में प्रयास करना चाहिए।

इस संदर्भ में 'शाह बानो' मामले में दिया गया 1985 का निर्णय सर्वविदित है, तथा 1995 का 'सरला मुद्गल' वाद व 2017 का 'शायरा बानो' मामले भी इस संबंध में काफी चर्चित हैं। अब प्रश्न उठता है कि जिस देश में सदियों से 'अनेकता में एकता' के नारे लगते आ रहे हों तो फिर व्यक्तिगत कानूनों में एकरूपता से आपत्ति क्यों? धर्मनिरपेक्ष-गणराज्य में धार्मिक प्रथाओं के आधार पर विभेदित नियम क्यों? एक संविधान

वाले इस देश में लोगों के निजी मामलों में भी एक कानून क्यों नहीं है? क्या धार्मिक प्रथाओं का संवैधानिक संरक्षण मौलिक अधिकारों के अनुरूप नहीं होना चाहिए? एकरूपता से देश में राष्ट्रवादी भावना को बल देने में आपत्ति क्यों? व्यक्तिगत कानूनों में मौजूद लैंगिक पक्षपात का पक्षधर कौन। क्या भारतवर्ष में 'एक पत्नी - एक विधान' का नारा, सपना ही बनकर रह जायेगा? जहां एक तरफ अल्पसंख्यक समुदाय नागरिक संहिता को संविधान के अनुच्छेद-25 का हनन मानते हैं, वहीं दूसरी तरफ बहुसंख्यक समान नागरिक संहिता की कमी को अनुच्छेद-14 का अपमान मानते हैं। ध्यानाकर्षण बात यह है कि अनुच्छेद-25 किसी भी धर्म को मानने और प्रचार की स्वतंत्रता को संरक्षित करता है, वहीं अनुच्छेद-14 निहित समानता की अवधारणा को संरक्षित करता है। समय की नज़ाकत है कि समान नागरिक संहिता की नाजुकता केवल सांप्रदायिकता की राजनीति के संदर्भ में नहीं की जानी चाहिए। सभी व्यक्तिगत कानूनों में से प्रत्येक में पूर्वाग्रह और रूढ़िवादी पहलुओं को रेखांकित कर मौलिक अधिकारों के आधार पर उनका परीक्षण किया जाना चाहिए। धार्मिक रूढ़िवादी दृष्टिकोण के बजाय समान नागरिक संहिता को चरणबद्ध तरीके से लोकहित के रूप में स्थापित किया जाना अपेक्षित भी है और आवश्यक भी। इस बात में कोई दो राय नहीं हो सकती कि सभी व्यक्तिगत कानूनों को संहिताबद्ध किया जाना प्रयोजनीय है, और यह प्रक्रिया न्यायिक प्रणाली को अत्यधिक सरल-सहज और प्रत्यक्ष-पर्याप्त बनाने में मील का पत्थर साबित होगी।

भारत जैसे विविधतापूर्ण विकासशील देश में जहां विभिन्न धर्मों के लोग रहते हैं, सभी नागरिकों के साथ समान व्यवहार किया जाना चाहिए और धर्मनिरपेक्ष-गणराज्य भारत की अपरिहार्यता है कि धार्मिक स्थलों/आयोजनों के सरकारी प्रायोजन/विनियमन को संविधान में वर्जित किया जाना चाहिए। न्यायाधीश ऋतुराज अवस्थी के कुशल नेतृत्व में बाइसवें भारतीय विधि आयोग द्वारा सार्वजनिक सूचना के माध्यम से बड़े पैमाने पर जनता और मान्यताप्राप्त धार्मिक संगठनों से विचारों को आमंत्रित करने की पहल अच्छी है।

नीतिगत बदलावों से ही फसल के सही दाम

डॉ. वीरेन्द्र सिंह लाठर

भारत में वैधानिक तौर पर केन्द्र सरकार द्वारा घोषित फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) वह न्यायोचित उपयुक्त मूल्य है जो फसल बिक्री पर प्रत्येक किसान को मिलना ही चाहिए। लेकिन साहूकार बिचौलियों की हितैषी व्यवस्था ने पिछले 57 वर्षों में अपने ही द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य को गारंटी कानून नहीं बनाकर, कभी भी निजी व्यापारियों पर लागू नहीं किया और उन्हें कृषि उपज मंडियों में न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम पर, फसल उपज खरीद की अनुमति देकर किसानों का खुला शोषण होने दिया।

वर्ष 2022-23 में धान किसानों को कम दाम मिलने से उनका एक लाख बीस हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान विभिन्न सरकारों की गलत नीतियों के कारण हुआ। बेशक सदियों से किसान के शोषण की वजह सामंती शासन व्यवस्था रही है। लेकिन आजाद भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में, उन किसानों का शोषण होना गंभीर विषय है जिन्होंने हरित क्रांति के तहत उन्नत बीज व महंगी तकनीक अपनाकर देश को बढ़ती आबादी के बावजूद खाद्यान्न में लगातार आत्मनिर्भर बनाये रखा। इन महंगी उन्नत तकनीक के उपयोग से बढ़ी कृषि लागत की भरपाई के लिए सरकार ने वर्ष 1966 में फसल के न्यूनतम समर्थन मूल्य की नीति को मंजूर किया। भारत में वैधानिक तौर पर केन्द्र सरकार द्वारा घोषित फसल का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) वह न्यायोचित उपयुक्त मूल्य है जो फसल बिक्री पर प्रत्येक किसान को मिलना ही चाहिए।

लेकिन साहूकार बिचौलियों की हितैषी व्यवस्था ने पिछले 57 वर्षों में अपने ही द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य को गारंटी कानून नहीं बनाकर, कभी भी निजी व्यापारियों पर लागू नहीं किया और उन्हें कृषि उपज मंडियों में न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम पर, फसल उपज खरीद की अनुमति देकर किसानों का खुला शोषण होने दिया। इससे भी आगे, स्वामीनाथन राष्ट्रीय कृषि आयोग-2006 की सिफारिशों, कि 'न्यूनतम समर्थन मूल्य की गणना सम्पूर्ण सी-2 लागत + 50 प्रतिशत लाभ पर होनी चाहिए', को नहीं लागू करके सरकारें स्वयं भी किसानों का नुकसान कर रही हैं। केंद्र सरकार की अधिसूचना के अनुसार, वर्ष 2022-23 में देश में धान का कुल 130 करोड़ क्विंटल उत्पादन हुआ जिसमें से 11.3 करोड़ किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य 2040 रुपये प्रति क्विंटल पर सरकार ने 62 करोड़ क्विंटल धान की खरीद लगभग एक लाख साठ हजार करोड़ में की यानी स्वामीनाथन आयोग द्वारा सिफारिश की गयी एमएसपी 2710 रुपये प्रति क्विंटल (सी-2 लागत 1805 रुपये + 50 प्रतिशत लाभ) पर खरीद नहीं करके किसानों का लगभग 42,000 करोड़ रुपये का नुकसान किया गया!

इतना ही नहीं, पिछले 65 वर्षों से एमएसपी गारंटी कानून नहीं बनाकर, बिचौलियों को भी किसानों को लूटने की एक तरह से छूट दे रखी है जिन्होंने बाकी बचे 68 करोड़ क्विंटल धान में से लगभग 60 करोड़ क्विंटल धान को घोषित एमएसपी से 30 फीसदी कम दाम औसतन 1400 रुपये प्रति क्विंटल पर खरीद कर किसानों का लगभग 78,000 करोड़ रुपये का शोषण किया, यानि केवल वर्ष 2022-23 में ही गलत नीतियों के चलते धान किसानों का लगभग 1.20 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का शोषण हुआ। इसी तरह रबी सीजन 2022-23 में, गेहूं के कुल अनुमानित उत्पादन 111 करोड़ क्विंटल में से 27 करोड़ क्विंटल 2125 रुपये प्रति क्विंटल एमएसपी पर किसानों से खरीदा गया जबकि सी-2 लागत 1575 रुपये +50 फीसदी लाभ पर गेहूं का दाम 2365 रुपये बनता था। लेकिन किसानों को 240 रुपये प्रति क्विंटल कम दाम देकर उनका लगभग 6500 करोड़ रुपये का नुकसान किया और साहूकारों ने बाकी बचे 84 करोड़ क्विंटल में से लगभग 70 करोड़ क्विंटल गेहूं एमएसपी से कम दाम (औसतन 1700 रुपये) पर खरीद कर लगभग 46,000 करोड़ रुपये किसानों को हानि पहुंचाई। इस तरह पिछले एक साल 2022-23 में मात्र दो फसलों धान और गेहूं की खरीद से सरकार ने लगभग 50,000 करोड़ और बिचौलियों ने 1,24,000 करोड़ रुपये का नुकसान किया यानि किसानों का कुल दो फसलों के विपणन पर 1,74,000 करोड़ रुपये वार्षिक का शोषण हुआ, जो प्रति किसान लगभग 1.5 लाख रुपये वार्षिक बनता है। उचित दाम नहीं मिलने से देश में उगाई जा रही 70 से ज्यादा फसलों (अनाज, तिलहन, दलहन, सब्जियों, फलों आदि) के विपणन पर, भारतीय किसानों का लगभग 25 लाख करोड़ रुपये वार्षिक का नुकसान होता है, जो लगभग 2 लाख रुपये प्रति किसान वार्षिक शोषण बनता है।

यानी सरकारों की गलत नीतियों के कारण किसानों का लगातार शोषण हो रहा है जिससे किसान दिन-प्रतिदिन गरीब व कर्जदार बनते जा रहे हैं और आत्मघाती कदम तक उठा रहे हैं! दूसरी ओर, मात्र 6000 रुपये वार्षिक किसान सम्मान राशि और 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने जैसे जुमलों से प्रचार माध्यमों में वाहवाही लूटी जा रही है! जबकि फसल न्यूनतम समर्थन मूल्य की 'सी-2 लागत के आधार पर गणना' और एमएसपी गारंटी कानून बनाना ही किसानों की समस्या का स्थाई समाधान है। किसानों का शोषण करने वाली गलत नीतियों को लगातार जारी रखते हुए, वर्ष 2023-24 खरीफ मौसम की फसलों के लिए, फिर से एमएसपी सी-2 लागत (सम्पूर्ण लागत) पर घोषित नहीं करके, ए2 +एफएल लागत के आधार पर घोषणा की गयी है जिससे किसानों को फिर नुकसान या घाटा ही होना तय है।

रीढ़ की हड्डी में है समस्या तो करें ये योगासन

स्कोलियोसिस एक ऐसी स्थिति है, जिसमें रीढ़ की हड्डी एक ओर झुक जाती है। सामान्यतः यह रीढ़ के ऊपरी भाग पर असर डालती और पीठ के निचले हिस्से को टेढ़ा कर देता है।
स्कोलियोसिस की समस्या होने पर दर्द बढ़ जाता है और सर्जरी की स्थिति आ जाती है। हालांकि प्राकृतिक तरीके से रीढ़ की समस्या को कम किया जा सकता है। योग रीढ़ संबंधी परेशानियों से छुटकारा दिलाने का कारगर उपाय है। एक अध्ययन के मुताबिक, हफ्ते में कम से कम तीन दिन 90 सेकेंड तक महज एक योग के अभ्यास से स्कोलियोसिस की समस्या से राहत पाई जा सकती है। हालांकि रीढ़ एक गंभीर स्थिति है, इसलिए किसी भी योग के अभ्यास से पहले चिकित्सक की राय जरूर ले लीजिए और योग विशेषज्ञ की निगरानी में ही योगाभ्यास करें।

मार्जरी आसन

अगर पीठ या रीढ़ में दर्द रहता है तो मार्जरी आसन करें। इसके अभ्यास के लिए घुटनों और हाथों के बल आते हुए रीढ़ को उठाकर रखें। सांस अंदर लेते हुए सिर को छत की तरफ ले जाएं और शरीर के नाभि वाले भाग को नीचे की ओर झुकाएं। श्वास छोड़ते हुए ठोड़ी को छाती पर लगाएं और रीढ़ को ऊपर उठाएं। चार से पांच बार इस आसन का अभ्यास करें।

वशिष्ठासन

स्कोलियोसिस की समस्या होने पर वशिष्ठासन का अभ्यास करना चाहिए। रीढ़ के कमजोर तरफ साइड प्लैंक का अभ्यास करें। इस योग के अभ्यास के लिए सबसे पहले जमीन पर दंडासन मुद्रा में बैठ जाएं। फिर बाएं हाथ को जमीन पर रखते हुए उसपर शरीर का वजन डालें। अब दाएं पैर पर बाएं पैर को रखें और दाएं हाथ को उठाकर जांघों पर रखें। सांस अंदर लेते हुए कुछ पल इसी स्थिति में रहें। बाद में सांस छोड़ते हुए सामान्य अवस्था में आ जाएं।

पादहस्तासन

इस आसन के अभ्यास के लिए अपने दोनों पैरों पर सीधे खड़े होते हुए हाथों को शरीर के साथ जोड़कर रखें। अंदर की ओर श्वास लेते हुए हाथों को सिर के ऊपर ले जाएं और ऊपर की ओर खींचें। फिर सांस छोड़ते हुए रीढ़ को सीधा रखे। इस दौरान घुटनों और हाथों को सीधा रखते हुए आगे की ओर झुकें। अब हाथों को फर्श पर रखें या एड़ियों को पकड़ने का प्रयास करें।

कंधे के दर्द के लिए नियमित करें हलासन

दिनभर बैठकर डेस्क वर्क करने से शरीर का पोस्चर बिगड़ जाता है। साथ ही कंधे, कमर व पीठ में दर्द की शिकायत हो सकती है। कई बार गलत तरीके से सो जाने के कारण भी सुबह उठने पर कंधे व हाथों में दर्द होने लगता है। अक्सर कंधे पर भारी सामान उठाने, ज्यादा एक्सरसाइज करने से कंधे पर अत्यधिक खिंचाव के कारण मसल्स में तनाव बढ़ जाता है। इस दर्द से निजात पाने के लिए हलासन रामबाण इलाज हो सकता है। इस आसन को करने से थायरॉयड ग्रंथि से संबंधित समस्याओं से निजात मिलता है। रीढ़ की हड्डी और कंधों को खिंचाव मिलता है और दर्द कम होता है। हलासन का अभ्यास तनाव और थकान को कम करने में सहायक है। जिन लोगों को वजन कम करना है, उनके लिए हलासन का अभ्यास फायदेमंद है। मेटाबॉलिज्म बढ़ाने और पाचन क्रिया को दुरुस्त रखने के लिए भी हलासन लाभकारी है।

अभ्यास का तरीका

हलासन के अभ्यास के लिए मैट पर पीठ के बल लेटकर हथेलियो को शरीर से सटा लें। अब पैरों को कमर से 90 डिग्री का कोण बनाते हुए ऊपर उठाएं। इस दौरान हाथों से कमर को सहारा दे सकते हैं। सांस अंदर की ओर खींचते हुए टांगों को सीधा रखें और सिर की तरफ झुकाएं। ऐसा करने से पैर सिर के पीछे हो जाएंगे। पैर सिर के उतना पीछे ले जाने का प्रयास करें, जिससे पैरों के अंगूठे जमीन को छू सकें। इस पोजिशन में कुछ देर स्थिर रहते हुए श्वास पर ध्यान केंद्रित करें।

हंसना मना है

सेठ सेठानी में बहस हो गई, अपने लड़के के लिये गांव की बहू लाएं या शहर की! सेठानी कहती हैं कि गांव की लाऐंगे.. क्योंकि वह घर का काम संभाल लेगी.. सेठजी कहते कि वे गंवार होती हैं.. उन्हें शहर के तौर-तरीके नहीं आते हैं.. आखिर सेठानी कि जिद पर 1 गांव पहुंचे.. सेठजी ने कहा: बेटी जरा मैंगो शेक ले आओ.. लड़की हां में सिर हिलाकर रसोईघर में आ गई, 4 आम लिये तवे पर सेका, मसाला डाला और प्लेट में मैंगो सेक कर ले आई.. सेठ सेठानी इस मैंगो शेक को देखते ही रह गए! अब सेठजी के कहने पर शहर में लड़की देखने गये! सेठानी ने नई बहू की परीक्षा लेने के लिए बोला-बेटी जरा पापड़ सेक लाओ! लड़की किचन में गई.. 4 पापड़ लिए मिक्सर में डाले.. पानी मिलाया और गिलास में भर कर ले आई.. और बोली- लीजिये पापड़ शेक! छोरा अभी भी कुंवारा ही है! कोई नजर में हो तो बताना?

कहानी — बाजीराव पेशवा ने दिखाई विनम्रता

बाजीराव पेशवा मराठा सेना के प्रधान सेनापति थे। एक बार वे किसी युद्ध में विजयी होकर सेना सहित राजधानी लौट रहे थे। मार्ग में उन्होंने मालवा में पड़ाव डाला। भूख-प्यास से सभी बेहाल थे, किंतु खाने के लिए अब उनके पास पर्याप्त सामग्री नहीं थी। यह देखकर बाजीराव ने अपने एक सरदार को बुलाकर किसी खेत से फसल कटवाकर छावनी में लाने का आदेश दिया। सरदार सैनिकों की एक टुकड़ी लेकर पास के गांव में पहुंचा और एक किसान को सबसे बड़े खेत पर ले जाने को कहा। किसान को लगा कि यह कोई अधिकारी है, जो खेतों का निरीक्षण करने आया है। बड़े खेत पर जाते ही सरदार ने सैनिकों को फसल काटने का आदेश दिया। यह सुनते ही किसान चकरा गया। उसने हाथ जोड़कर कहा कि महाराज! आप इस खेत की फसल न काटें। मैं आपको दूसरे खेत पर ले चलता हूं।' सरदार और उसके सैनिक किसान के साथ चल पड़े। वह उन्हें कुछ मील दूर ले गया और वहां एक छोटे-से खेत की ओर संकेत कर कहा, 'आपको जितनी फसल चाहिए, यहां से काट लीजिए।' सरदार ने नाराज होते हुए कहा कि यह खेत तो बहुत छोटा है। फिर तुम हमें यहां इतनी दूर क्यों लाए?'तब किसान नम्रता से बोला, 'वह खेत किसी दूसरे का था। मैं अपने सामने उसका खेत कैसे कटता देखता? यह खेत मेरा है, इसलिए आपको यहां लाया।' किसान का बड़ा दिल देखकर सरदार का गुस्सा ठंडा हो गया। उसने फसल नहीं कटवाई और बाजीराव को सारी बात बताई। तब बाजीराव ने अपनी गलती सुधारते हुए किसान को उसकी फसल के बदले पर्याप्त धन दिया और फसल कटवाई। नम्रता, बड़प्पन को दर्शाती है।

कथा का सार- वस्तुतः ओहदेदार होकर भी विनम्रता रखना ही शेष समाज की दृष्टि में संबंधित को श्रद्धेय बनाता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। बिजनेस के सिलसिले में आपको यात्रा करनी पड़ सकती है। किसी से बात करते समय आपको विनम्र स्वभाव रखें।

वृषभ

दिन की शुरुआत में चीजें योजना के अनुसार घटित नहीं हो पाएंगी। किन्तु आप घटनाओं पर कैसे प्रतिक्रिया करते हैं, यह अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

मिथुन

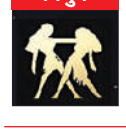

आज आपके जीवन में कुछ नए बदलाव हो सकते हैं। कारोबार में कोई शुभ समाचार मिल सकता है। आपकी किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

कर्क

नए संपर्क और संचार व्यवसाय को एक नवीन दिशा प्रदान कर सकते हैं। आज समय की मांग है, कि आप अपना ध्यान व्यावहारिक मामलों की ओर मोड़ें

सिंह

आज आपके मन में कोई नया विचार आ सकता है। आप उस पर जल्द ही काम भी शुरू कर सकते हैं। प्रॉपर्टी के लिये आपको कोई अच्छी डील मिल सकती है।

कन्या

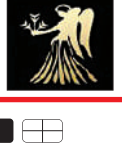

आज कुछ वित्तीय बाधाओं को अप्रत्याशित खर्च के रूप में महसूस किया जा सकता है। सतत प्रयासों से चीजें आपके पक्ष में रहेंगी। सकारात्मक रवैया अपनाएं।

तुला

आज आपको किस्मत के साथ थोड़ी परेशानी आ सकती है। आपको दूसरों से अपनी पर्सनल बात शेयर करने से बचना चाहिए। पढ़ाई के प्रति आपकी रुचि बढ़ सकती है।

वृश्चिक

वित्तीय रूप से यह अच्छा दिन नही है। किसी भी निवेश को करने से पहले अच्छी तरह से जांच परख लें। किसी जानकार से सलाह लेना बेहतर रहेगा।

धनु

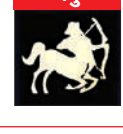

आज आपका दिन सामान्य रहेगा। काम में जीवनसाथी की सलाह फायदेमंद हो सकती है। वित्तीय मामलों में समझदारी से काम लेना आपके लिए बेहतर रहेगा।

मकर

कार्यस्थल पर अंतिम मिनट में लिए गए निर्णय कार्यशैली में बदलाव ला सकते हैं। आज कुछ बहुप्रतीक्षित सफलता प्राप्त करेंगे। आज आप प्रतिबद्धताओं से घिरे रह सकते हैं।

कुम्भ

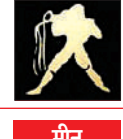

आज आपका दिन शानदार रहेगा। अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिये आज आपको कुछ अच्छे मौके मिल सकते हैं। संतान से आपको खुशखबरी मिल सकती है।

मीन

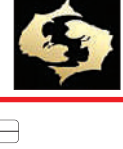

आपको अधिकारियों से पूर्ण सहयोग मिलेगा और व्यापार में आमदनी काफी बढ़ेगी। यदि आप नौकरीपेशा हैं, तो आपकी आय में वृद्धि या पदोन्नति की प्राप्ति हो सकती है।

विराट की बाहों में आखिरी सांस लेगी सई

स्टार प्लस के शो गुम है किसी के प्यार में में इन दिनों काफी बवाल मचा हुआ है। सई और विराट के साथ उनका पूरा परिवार आतंकियों के कब्जे में है। जल्द ही सई और विराट की प्रेम कहानी का द एंड होने वाला है। बीते दिन देखने को मिला कि विराट सई से जाने को कहता है, लेकिन वह उसे छोड़कर नहीं जाती है। वहीं दूसरी तरफ गीतांजली परिवार को टोर्चर करने का कोई मौका नहीं छोड़ रही है। अपकमिंग एपिसोड में आप देखेंगे कि सई पायलट को बचाने के बहाने विराट को छुड़ाने की कोशिश करेगी। तभी विराट सई को कहेगा, तुम्हें सत्या के साथ ही रहना होगा। मैं चाहता हूं कि तुम यहां से सवि और सत्या को लेकर चली जाओ। मुझे पता है ये लोग मुझे मार देंगे, लेकिन सवि और विनायक बड़े होकर डॉक्टर-पुलिस ऑफिसर

बनेंगे। लेकिन सई विराट की कोई भी बात नहीं सुनती है, और वहां जाने से भी मना कर देती है।

दूसरी तरफ गीतांजली गुस्से में पुलिस कमिश्नर से बात करेगी। पहले वह रमाकांत से बात कराने को कहेगी। इसके बाद वह अपने पति से बात करेगी और दोनों रात का डिनर वे साथ करने की बात तय करते हैं। इसके बाद गीतांजली पुलिस कमिश्नर के सामने नहीं शर्त रखेगी। वह बोलेगी, रमाकांत के बदले मैं सभी पैसेंजर को छोड़ दूंगी, लेकिन विराट चव्हाण के परिवार को नहीं भेजूंगी ये बात कमिश्नर मानने से मना कर देंगे, जिस वजह से वह और भड़क जाएगी।

आने वाले एपिसोड में पुलिस कमिश्नर गीतांजली की शर्म मान लेंगे। इसके बाद गीतांजली सारे पैसेंजर को छोड़ने की मंजूरी दे देती है। इसी दौरान विराट के हाथ सई का फोन आ जाएगा। जब वह सई का फोन अनलॉक करेगा तो वह हैरान रह जाएगा। सई के फोन का पासवर्ड दोनों की शादी की तारीख होतीहै। ये चीज देखकर वह थोड़ा इमोशनल हो जाएगा, लेकिन फिर होश में आकर कमिश्नर को कॉल करेगा। हालांकि, उसे भीमा का एक आदमी पकड़ लेगा। वहीं सई को बम से लदी एक जैकेट पहना दी जाएगी।

बॉलीवुड | मन की बात

'इमरजेंसी' से मुझे भारतीय इतिहास की असली जानकारी हासिल हुई : कंगना

कंगना रनौत इन दिनों अपनी फिल्म इमरजेंसी को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। कंगना इन दिनों जमकर अपनी फिल्म का प्रमोशन कर रही हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में कंगना रनौत ने बताया है कि उन्हें इस फिल्म को करने के दौरान पता चला कि आखिर इंदिरा जी ने ये फैसला क्यों लिया था। इमरजेंसी का काला सच क्या है। कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी 24 नवंबर 2023 को रिलीज होगी फिल्म। एक्ट्रेस-डायरेक्टर-प्रोड्यूसर कंगना रनौत अपनी अपकमिंग निर्देशित फिल्म इमरजेंसी की रिलीज के लिए तैयार हैं। उन्होंने बताया कि इस फिल्म में काम करने से उन्हें भारत के असली इतिहास की गहरी जानकारी हासिल हुई है। इसके अलावा इस इंटरव्यू में कंगना ने बताया है कि इस फिल्म से उन्हें पता चला कि इंदिरा जी ने ये फैसला क्यों लिया था। कंगना ने कहा कि इमरजेंसी के फिल्मांकन के दौरान, 1975 में घटी घटनाओं के बारे में जानने से मुझे भारतीय इतिहास की गहरी समझ मिली। लोग इसे भारतीय इतिहास का सबसे काला दौर कहते हैं। लेकिन, बहुत से लोगों को यह समझ नहीं आता कि इंदिरा जी ने यह फैसला क्यों लिया। फिल्म के साथ, मैं कहानी के उस पक्ष को भी सामने लाने की इच्छा रखती हूं। मुझे यकीन है कि फिल्म देखने के बाद बहुत से लोग उन घटनाओं को एक अलग नजरिए से देखेंगे। फिल्म में दिवंगत सतीश कौशिक, अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े, महिमा चौधरी और मिलिंद सोमन भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। मणिकर्णिका फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत इमरजेंसी का निर्देशन और निर्माण कंगना रनौत ने किया है और इसकी पटकथा रितेश शाह ने और कहानी उन्होंने खुद लिखी है। यह फिल्म 24 नवंबर 2023 को रिलीज होने वाली है।

मार्केट में टीकू वेड्स शेरू के पोस्टर्स देख अवनीत कौर के छलके आंसू

आखिरकार मैं हीरोइन बन गई...

छोटी सी उम्र में बड़े-बड़े सपने देखने वाली अवनीत कौर ने हाल में ही अपना बॉलीवुड डेब्यू किया है। एक्ट्रेस टीकू वेड्स शेरू में नवाजुद्दीन सिद्दीकी के अपोजिट नजर आई हैं। वहीं इस फिल्म का निर्माण कंगना रनौत के प्रोडक्शन हाउस के तले हुआ है। फिल्म रिलीज हो चुकी है, वहीं दर्शकों से मिली जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। इस अवनीत ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है।

अवनीत कौर ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ फोटोज पोस्ट की है। इन फोटोज में एक्ट्रेस में मुंबई लगे उनकी फिल्म के होर्डिंग्स को शेयर किया है। एक्ट्रेस ने फोटोज के साथ एक लंबा चौंड़ा कैप्शन भी लिखा। एक्ट्रेस इस दौरान बेहद खुश और इमोशनल नजर आई। एक्ट्रेस की पोस्ट पर फैंस जमकर कमेंट और उन्हें बधाई दे रहे हैं। अवनीत ने कैप्शन में लिखा- 12 साल पहले, मैं एक डांस रियलिटी शो के लिए कंटेस्टेंट के रूप में मुंबई शहर में आई थी,

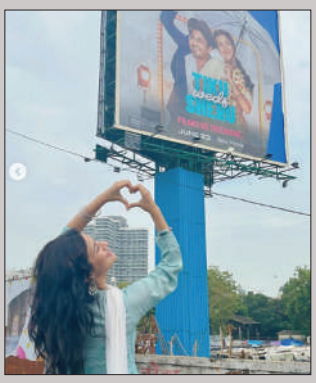

जिसे अब मैं अपना घर कहती हूं। हमारे पास छत नहीं थी, जब भी मौका मिला हमने कई घर बदले। मेरे माता-पिता ने मेरे लिए लंबी दूरी तय की है। हमने सिर्फ ऑडिशन देने के लिए बसों, ट्रेनों, स्कूटरों में घंटों यात्रा की।

अब इतने सालों के बाद आखिरकार खुद को एक होर्डिंग पर देखना किसी सपने से कम नहीं है। आख़िरकार मैं हीरोइन बन गई। इसे पॉसिबल बनाने के लिए मणिकर्णिका टीम और कंगना रनौत को थैंक्यू, मुंबई मेरी जान। अवनीत कौर का सफर डांस इंडिया डांस लिल मास्टर्स से शुरू हुआ था। इस दौरान उन्होंने अपने डांस से खूब सुर्खी बटोरी थी। इसके बाद वह टीवी शो मेरी मां में नजर आई थीं। उन्होंने अलादीन - नाम तो सुना होगा से घर-घर पहचान बनाई। इस सीरियल में वे सिद्धार्थ निगम के अपोजिट दिखी थी। अवनीत कौर के सोशल मीडिया 33 मिलियन ये ज्यादा फॉलोअर्स हैं। वे सोशल मीडिया पर अपनी खूबसूरत फोटोज शेयर कर फैंस को खूब इंप्रेस करती हैं।

बॉलीवुड | गपशप

17 वर्ष से कुछ भी खाए बिना कैसे जी रहा है गुलाम रज़ा? आखिर क्यों छोड़ दिया खाना

अगर आपसे सवाल किया जाए कि आप कुछ भी खाए बिना कितने दिन तक रह सकते हैं? तो शायद इसका जवाब एक या दो दिन से ज्यादा के लिए नहीं दिया जाएगा। लेकिन ईरान के एक शख्स ने दावा किया है कि उसने पिछले 17 सालों से कुछ भी नहीं खाया है। क्या इस पर यकीन किया जा सकता है? इस दावे के बाद एक सवाल जरूर मन में आता है कि अगर इस शख्स ने इतने लंबे समय से कुछ नहीं खाया है तो ये जिंदा कैसे है?

विदेशी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान के 58 वर्षीय गुलाम रजा का दावा है कि उन्होंने 2006 में खाना बंद कर दिया था और तब से वह जिंदा रहने के लिए सिर्फ पानी और सोडा ड्रिंक्स पर निर्भर हैं। गुलाम रजा का कहना है कि खाने को देखते ही मेरा जी मचलाने लगता है और पिछले 17 सालों से मैं पानी, पेप्सी और कोका-कोला जैसे सॉफ्ट ड्रिंक्स पर जिंदा हूं। खबरों के मुताबिक, 2006 में एक रात गुलाम रजा को अपने मुंह में अजीब सी सनसनी महसूस हुई। उन्होंने कई डॉक्टरों को दिखाया, लेकिन उनके मुंह का स्वाद नहीं बदला। आखिरकार उन्होंने स्थायी रूप से खाना बंद करने का फैसला किया और तब से वह इसी तरह जी रहे हैं सिर्फ पानी और व ड्रिंक पीकर जिंदा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक उसका परिवार उसके सामने भोजन नहीं करता है क्योंकि यह शख्स खाने को देखकर है, लेकिन जिंदा रहने के लिए उसे कार्बोनेटेड पेय से ऊर्जा मिलती है, वह हर रोज सोडा की तीन बड़ी बोतलें पीता है और उसके बाद उन्हें भूख नहीं लगती। गुलाम रजा ने कहा कि 2006 में एक रात मुझे अजीब सा अहसास हुआ, मुझे लगा जैसे मेरे मुंह के अंदर कुछ बाल हैं, मुझे लगा कि इन बालों का एक हिस्सा मेरे पेट के अंदर भी है, मुझे ऐसा लगा जैसे मेरा दम घुट रहा हो, मुझे नहीं पता कि क्या करना है, मैं हकीकत में हालात का जिक्र नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि सभी ने मुझे अलग-अलग डॉक्टरों के पास जाने के लिए कहा, मैंने कई डॉक्टरों से जांच भी कराई लेकिन उनमें से कोई भी मेरी बीमारी का हल नहीं कर सका। रजा के मुताबिक मैंने एक मनोचिकित्सक को भी दिखाया लेकिन वह भी मेरी ज्यादा मदद नहीं कर सके इसलिए मैंने खाना बिल्कुल बंद कर दिया और सोडा व पानी पर ही जीने का फैसला किया। ईरानी शख्स का दावा है कि जब से उसने सॉफ्ट ड्रिंक पीना शुरू किया है, तब से उसका 32 किलो वजन कम हो गया है, जबकि पिछले 17 सालों से उसकी सेहत पर कोई बुरा असर नहीं पड़ा है।

अजब-गजब | स्कूलों में लगे हैं एसी, मिलती है वाई-फाई की सुविधा

शहरों को मात देता है यह हाईटेक गांव

दुनिया में भारत एक ऐसा देश है जहां पर आज भी आधी से ज्यादा आबादी गांवों में रहती है। गांवों के विकास के लिए सरकार हर कदम उठाती है। गांव में भी लोगों को अच्छी शिक्षा और सुविधाएं मिल सके, इसके लिए नई-नई योजनाएं लागू करती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि भारत में एक ऐसा गांव जिसकी सुविधाएं देखकर आप शहर को भूल जाएंगे। यह हाईटेक गांव अपनी सुविधाओं के लिए देशभर में जाना जाता है।

भारत के इस गांव में वाईफाई, स्कूल, कॉलेज, नई टेक्नोलॉजी, स्ट्रीट लाइटें और शहर वाली सभी सुविधाएं आपको मिलेंगी। कहा जाता है कि यह गांव कई शहरों से ज्यादा विकसित है। यह गांव भारत के गुजरात राज्य में स्थित है। इस गांव में कई ऐसी सुविधाए हैं, जो आपको शहरों में भी नहीं मिलेगी। इस गांव में बच्चों से लेकर बुजुर्गों के लिए सभी जरूरत की चीजें उपलब्ध हैं।

गुजरात के इस गांव का नाम पुंसरी है। यहां के सरकारी स्कूलों में भी एसी लगे हैं। इस गांव में आसपास के गांवों के बच्चे भी पढ़ने के लिए आते हैं। इस गांव में कुल पांच स्कूल हैं और सभी में एसी लगे हैं। सबसे खास बात यह है कि इलाज के लिए भी लोगों शहर नहीं जाने की जरूरत नहीं होती है। गांव में अस्पताल भी बने हैं। गुजरात के पुंसरी गांव में एक चलती-फिरती लाइब्रेरी भी है,

जो एक ऑटो में बनी है। पढ़ने का शौक रखने वाले लोग इस लाइब्रेरी का इस्तेमाल करते हैं। एक निश्चित समय पर यह लाइब्रेरी उचित स्थान पर पहुंच जाती है और वहां पर लोग अपनी पसंद की किताबें पढ़ते हैं।

गुजरात का यह गांव इतना हाईटेक है कि ग्राम पंचायत में जाने के लिए बायोमेट्रिक का इस्तेमाल करना होता है। गांव में यातायात की व्यवस्था, साफ-सुथरी सड़कें, शुद्ध पानी और बायोगैस प्लांट सभी मौजूद हैं। साल 2006 में हिमांशु पटेल इस गांव के सरपंच बने। उस समय इस गांव में कई समस्याएं थीं, लेकिन उन्होंने गांव को बदलने का संकल्प लिया। सिर्फ आठ सालों में हिमांशु पटेल ने इस गांव की सूरत बदलकर रख दी। इस गांव के कायाकल्प में 16 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। गांव के मॉडल को देखने के लिए देशभर से लोग आते हैं। इस गांव की स्टडी के लिए अधिकारी भी आते हैं। वह कहते हैं कि सरकारी योजनाओं का सही से इस्तेमाल किया जाए, तो हर गांव इसी तरह विकसित हो सकता है।

मैकेनिकों के कपड़ों की कालिख भारत की खुद्दारी व शान : राहुल

» करोल बाग पहुंचे पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष, मोटरसाइकिल मैकेनिक से मिले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी मंगलवार को अचानक करोल बाग पहुंच गए और मोटरसाइकिल मैकेनिकों से मिले। उन्होंने कहा कि इनकी कपड़ों पर लगी कालिख हमारी खुद्दारी और शान है।

राहुल ने फेसबुक पर मैकेनिकों के साथ अपनी बातचीत की तस्वीरें पोस्ट कीं और लिखा- उन हाथों से सीखना जो रिंच घुमाते हैं और भारत के पहियों को गतिमान रखते हैं। कांग्रेस पार्टी ने करोल बाग मार्केट पहुंचे राहुल गांधी की तस्वीरें शेयर करते हुए कहा कि यही हाथ हिंदुस्तान बनाते हैं।

इन कपड़ों पर लगी कालिख हमारी खुद्दारी और शान है। ऐसे हाथों को हौसला देने का काम एक जननायक ही करता है। इससे पहले राहुल गांधी दिल्ली से चंडीगढ़ की यात्रा के दौरान ट्रक में यात्रा करते नजर आए थे। राहुल गांधी ने ट्रक ड्राइवरों से कई मामलों पर बात की और उनकी समस्याएं सुनीं। कर्नाटक चुनाव के दौरान राहुल बेंगलुरु में एक डिलीवरी बॉय के साथ स्कूटर की सवारी करते देखे गए थे, जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। कुछ दिन पहले इसी तरह अचानक राहुल गांधी पुरानी दिल्ली इलाके में जा पहुंचे थे। राहुल लोगों से मिले थे और चाट-पकौड़ी खाई थी। भारत जोड़ों यात्रा के बाद भी राहुल जन-सामान्य से मिलकर उनके मन की बात जान रहे हैं।

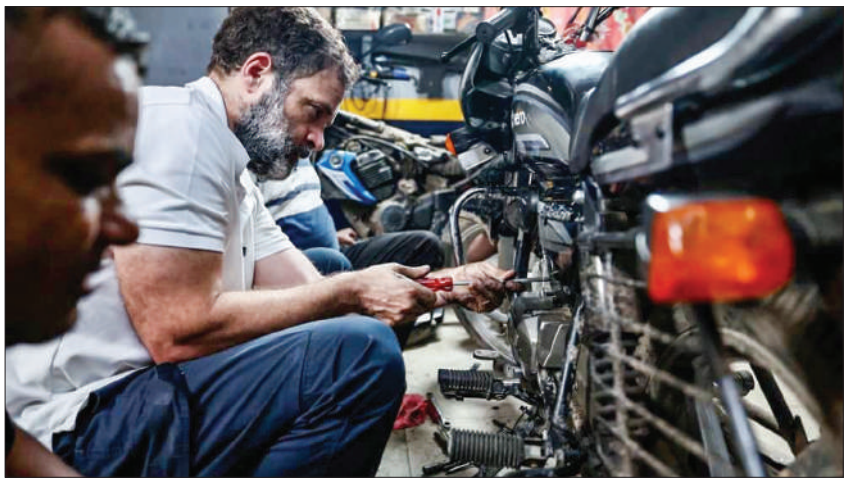

मनोज मुंतशिर को हाईकोर्ट की नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। फिल्म आदिपुरुष में श्रीराम कथा को बदलकर निम्नस्तरीय दिखाने के आरोपों के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने सख्त टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा, हमलोग इस पर आंखें बंद कर लें क्योंकि इस धर्म के लोग बड़े सहिष्णु हैं तो क्या इसकी परीक्षा ली जाएगी। कोर्ट ने सरकारी वकील के यह कहने पर कि फिल्म में डिसक्लेमर दिखाया गया है, मौखिक टिप्पणी की कि फिल्म में भगवान राम, सीता, लक्ष्मण, हनुमान, रावण और लंका को दिखा रहे हैं। फिर डिसक्लेमर में कहते हैं कि यह रामायण नहीं है।

ऐसा करके क्या लोगों व युवाओं को बिना दिमाग वाला समझते हैं। मामले में कोर्ट ने केंद्र के वकील को पूरी जानकारी लेकर बुधवार को जवाब पेश करने को कहा कि सिनेमा कानून के तहत क्या कार्रवाई की जा सकती है। वहीं, फिल्म के संवाद लेखक मनोज मुंतशिर को याचिका में पक्षकार बनाने की अर्जी मंजूर कर उन्हें नोटिस जारी की है। मामले की अगली सुनवाई 28 जून को नियत की है। न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान और न्यायमूर्ति श्रीप्रकाश सिंह की अवकाशकालीन खंडपीठ ने यह आदेश एक विचाराधीन जनहित याचिका में याचिकाकर्ता कुलदीप तिवारी की दाखिल दो अर्जियों पर पर दिया।

दतिया में नदी में गिरा ट्रक, एक दर्जन से अधिक लोगों की मौत

» निर्माणाधीन पुल के पास हुआ हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दतिया। मध्यप्रदेश के दतिया जिले के दुरसड़ा थाना क्षेत्र के एक निर्माणाधीन पुल के पास डीसीएम गाड़ी (मिनी ट्रक) पलट गया। हादसे में एक दर्जन से अधिक लोगों की मौत होने की खबर है। इसके अलावा 30 से 35 लोग घायल भी बताए जा रहे हैं। हादसे की सूचना पर दतिया कलेक्टर और एसपी मौके पर पहुंच गए हैं। घटना को लेकर प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने भी संज्ञान लिया है। वह स्थानीय अधिकारियों से बातचीत कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार दुरसड़ा थाना क्षेत्र के बुहारा गांव के पास पुल का निर्माण कार्य चल रहा है। इसके चलते वाहनों को नदी पर रपटा बनाकर निकाला जा रहा था। मंगलवार रात को लोगों से भरी एक डीसीएम वहां से गुजर रही थी, इस वह अनियंत्रित होकर घुवारा नदी में गिर गई। डीसीएम में सवार लोग ग्वालियर के बिलहेटी गांव के रहने वाले हैं और टीकमगढ़ के जतारा में लड़की को लेकर शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। इस दौरान ये हादसा हो गया। दतिया पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा सहित अन्य आला अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। लोगों को रेस्क्यू करने का काम जारी है। शुरुआत में खबर आई कि डीसीएम पलटने से हादसे में 12 से ज्यादा लोगों की मौत हुई हैं। हालांकि, प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा का कहना है कि हादसे में तीन बच्चों सहित पांच लोगों की मौत हुई है। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने कहा कि यह घटना बहुत ही दुखद है। हमारी पहली प्राथमिकता लोगों का उपचार है।

फोटो : 4 पीएम

वैश्य महासम्मेलन विश्वेश्वरैया हाल में अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक अग्रवाल का स्वागत करते प्रदेश अध्यक्ष नीरज बोरा

यूपी समेत कई राज्यों में पांच दिन खूब भिगोयेगी बारिश

» दक्षिण पश्चिम मानसून पूरे देश में सक्रिय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, दक्षिण पश्चिम मानसून लगभग पूरे देश में समय से पहले पहुंच गया है। पंजाब व हरियाणा के शेष भागों और राजस्थान के ज्यादातर हिस्सों तक अगले दो दिन में मानसून पहुंच जाएगा।

आईएमडी ने बताया कि अगले पांच दिनों के दौरान पश्चिम उत्तर प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड में ज्यादातर हिस्सों में हल्की से मध्यम और कुछ हिस्सों में भारी बारिश होने की संभावना है। हिमाचल प्रदेश में 29 जून तक, पूर्वी उत्तर प्रदेश में 29 जून से 1 जुलाई तक, 29-30 जून को पूर्वी राजस्थान में, 28-29 जून को उत्तराखंड के कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है।

उत्तराखंड में भारी वर्षा का कहर

हिमाचल, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, असम सहित भारत के अधिकतर हिस्सों में मंगलवार को भी मानसून सक्रिय रहा। मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों तक ऐसी ही स्थिति बनी रहने का अनुमान जताया है। वहीं, उत्तराखंड में भी भारी बारिश का दौर जारी रहा। राज्य के सात पर्वतीय जिलों में बुधवार को भारी बारिश की संभावना है। वहीं, राज्य की 59 सड़कें बंद रहीं। मौसम विभाग की ओर से नैनीताल, चम्पावत, टिहरी, पौड़ी, देहरादून, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। साथ ही संवेदनशील इलाकों में भूस्खलन की संभावना जताई है। मानसून की बारिश के साथ ही सड़कों के बंद होने का सिलसिला शुरू हो गया है। बारिश से सर्वाधिक सड़कें ग्रामीण क्षेत्रों की प्रभावित हो रही हैं।

बराबरी पर छूटा भारत-कुवैत मैच

» सैफ फुटबॉल: 1-1 से ड्रा रहा मुकाबला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सैफ चैंपियनशिप में भारत और कुवैत के मुकाबले में काफी रोमांच और हंगामा देखने को मिला। बेंगलुरु में दोनों टीमों के बीच खेला गया ये मुकाबला 1-1 से ड्रॉ रहा। भारतीय टीम का टूर्नामेंट में ये तीसरा मुकाबला था जो ड्रॉ की भेंट चढ़ गया। ये पूरा मुकाबला हाई वोल्टेज ड्रामे की भेंट चढ़ा, जिसमें दोनों टीमों के खिलाड़ियों में कई बार भिड़ंत होती दिखी।

मुकाबले के पहले हाफ में ही खिलाड़ियों के बीच तीखी बहस और नोक झोंक होते हुए दिखी। यहां भारत के आकाश मिश्रा और कुवैत के खिलाड़ी आपस में भिड़ गए और दोनों में बहस हुई, जो कुछ समय बाद शांत हुई। इसके बाद दूसरे हाफ में कुवैत के खिलाड़ियों ने आक्रामक रुख अपनाते हुए खेल खेला और भारतीय खिलाडियों को लगातार परेशान करने का सिलसिला जारी रखा। कुवैत के खिलाड़ी हमाद अलकल्लाफ ने भारत के सहल समद को धक्का दिया और उन्हें नीचे गिरा दिया। भारत के रहीम अली ने हमाद अलकल्लाफ को नीचे गिराया, जिसके बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों में तीखी बहस हुई। इस बहस के कारण रेफरी ने रहीम और हमाद अलकल्लाफ को रेड कार्ड दिखाया और दोनों को बाहर बैठना पड़ा। वहीं इस रेड कार्ड से भारतीय टीम को धक्का लगा है क्योंकि रहीम को सेमीफाइनल में खेलने का मौका नहीं मिलेगा।

कप्तान सुनील छेत्री का उम्दा प्रदर्शन

कप्तान सुनील छेत्री के उम्दा प्रदर्शन के बावजूद भारत को सैफ फुटबॉल चैम्पियनशिप के आखिरी ग्रुप मैच में कुवैत ने 1-1 से ड्रॉ पर रोक दिया। छेत्री ने पहले हाफ में इंजुरी टाइम में गोल करके भारत का खाता खोला लेकिन दूसरे हाफ में अतिरिक्त समय में अनवर अली के आत्मघाती गोल का खामियाजा भारत को भुगतना पड़ा। नौ मैचों में भारत ने यह पहला गोल गंवाया था। भारत और कुवैत दोनों के सात अंक रहे लेकिन बेहतर गोल औसत के आधार पर कुवैत शीर्ष पर रहा।

क्रिकेट मैदान पर सियासत में घमासान

वर्ल्ड कप 2023 के मैचों के शेड्यूल पर घिरी मोदी सरकार, विपक्ष बोला-राजनीतिक हस्तक्षेप की झलक

» कांग्रेस ने कहा- अहमदाबाद अब देश का नया क्रिकेट कैपिटल बना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विश्वकप क्रिकेट की स्थल चयन पर राजनीति शुरू हो गई। आईसीसी की तरफ से वर्ल्ड कप 2023 के सभी मैचों का शेड्यूल जारी कर दिया गया है। पहला और आखिरी मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। अब इसे लेकर विपक्षी दलों ने मोदी सरकार पर निशाना साधा है।

विपक्षी नेताओं ने कहा है कि इस पूरे शेड्यूल में राजनीतिक हस्तक्षेप की झलक दिखती है। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने आईसीसी वर्ल्ड कप का शेड्यूल पोस्ट करते हुए लिखा अहमदाबाद अब देश का नया क्रिकेट कैपिटल बन गया है।

केरल के हिस्से में कोई मैच नहीं : शशि थरूर

कांग्रेस नेता और तिरुवनंतपुरम से लोकसभा सांसद शशि थरूर ने विश्व कप के किसी मुकाबले का आयोजन उनके शहर में नहीं होने पर आपत्ति जताई। उन्होंने ट्वीट किया कि ये देखकर निराशा हुई कि तिरुवनंतपुरम विश्वकप की कार्यक्रम सूची में नहीं है, जबकि बहुत सारे लोग इसके क्रिकेट स्टेडियम के सर्वश्रेष्ठ स्टेडियम के रूप में सराहते हैं। अहमदाबाद देश में क्रिकेट की राजधानी बन रहा है, लेकिन केरल के हिस्से में कोई मैच नहीं आया है।

जय शाह और अमित शाह का दखल : टीएमसी

टीएमसी नेता साकेत गोखले ने भी वर्ल्ड कप के मैचों को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने ट्विटर पर लिखा, आईपीएल 2023 का उद्घाटन मैच नरेंद्र मोदी स्टेडियम में, आईपीएल 2023 फाइनल नरेंद्र मोदी स्टेडियम में, क्रिकेट विश्व कप 2023 का उद्घाटन मैच नरेंद्र मोदी स्टेडियम में, क्रि केट विश्व कप 2023 फाइनल मैच नरेंद्र मोदी स्टेडियम में...जय शाह- बीसीसीआई सचिव और अमित शाह के बेटे-ये सुनिश्चित करते हैं कि गुजरात को हमेशा अन्य राज्यों के मुकाबले प्राथमिकता मिले।

सब जानते हैं कि बीसीसीआई कौन चला रहा : पंजाब के खेल मंत्री

पंजाब के खेल मंत्री गुरमीत सिंह मीत हायर ने विश्वकप मुकाबले की मेजबानी करने वाले शहरों में मोहाली को शामिल नहीं किए जाने की निंदा की। उन्होंने दावा किया कि मेजबान शहरों का सेलेक्शन राजनीतिक कारणों से प्रेरित है। हायर के मुताबिक, राज्य सरकार 'भेदभाव' के इस मुद्दे को उचित स्तर पर उठाएगी। उनका कहना है कि मोहाली क्रिकेट स्टेडियम 1996 और 2011 के विश्व कप के कुछ प्रमुख मुकाबलों का गवाह रहा है, लेकिन इस बार इसे एक भी मैच की मेजबानी का मौका नहीं दिया गया। पंजाब के मंत्री ने तंज कसते हुए कहा कि सब जानते हैं कि बीसीसीआई की अगुवाई कौन कर रहा है।

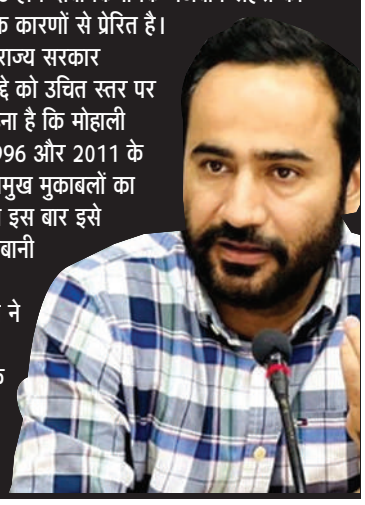

वर्सोवा-बांद्रा सी व मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक का नाम बदला

» शिंदे सरकार का फैसला- वीर सावरकर व अटल बिहारी के नाम पर हुआ सेतु

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में वर्सोवा-बांद्रा सी लिंक का नाम बदल दिया गया है। अब इसे वीर सावरकर सेतु के नाम से जाना जाएगा। इसके अलावा मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक का नाम भी बदलकर अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति न्हावा शेवा अटल सेतु कर दिया गया है। पिछले महीने वीर सावरकर जयंती के दिन महाराष्ट्र सरकार ने इसे लेकर फैसला लिया था। इससे पहले केंद्र सरकार ने फरवरी में औरंगाबाद और उस्मानाबाद के बदले हुए नाम को मंजूरी दे दी थी।

अब औरंगाबाद को छत्रपति संभाजीनगर और उस्मानाबाद को धाराशिव के नाम से जाना जाएगा। महाराष्ट्र के

उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने ट्विटर पर यह खबर साझा की थी। औरंगाबाद का नाम मुगल शासक औरंगजेब, जबकि उस्मानाबाद का नाम हैदराबाद रियासत के 20वीं सदी के शासक के नाम पर रखा गया था। छत्रपति शिवाजी महाराज के सबसे बड़े बेटे छत्रपति संभाजी उनके पिता द्वारा स्थापित मराठा साम्राज्य के दूसरे शासक थे। संभाजी महाराज को 1689 में औरंगजेब के आदेश पर फांसी दे दी गई थी। कुछ विद्वानों के अनुसार उस्मानाबाद के समीप एक गुफा धाराशिव आठवीं सदी की है।

ट्विन टॉवर वाले सुपरटेक के मालिक को ईडी ने किया गिरफ्तार

» रिमांड के लिए कोर्ट में पेशी आज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में निर्माण क्षेत्र की कंपनी सुपरटेक के मालिक आरके अरोड़ा को गिरफ्तार कर लिया। एजेंसी पिछले तीन दिन से अरोड़ा से पूछताछ कर रही थी। इसके बाद मंगलवार देर शाम को केंद्रीय एजेंसी ने उन्हें हिरासत में लिया था। एजेंसी बुधवार को अरोड़ा को विशेष कोर्ट में पेश कर उनकी हिरासत मांग सकती है। सुपरटेक वही कंपनी है जिसने नोएडा में ट्विन टॉवर बनाया था जिसे पिछले साल अगस्त में जमींदोज कर दिया गया था।

ईडी सुपरटेक कंपनी के मालिक आरके अरोड़ा से तीन दिन से मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ कर रही थी। इसी सिलसिले में उनके दिल्ली कार्यालय से गिरफ्तारी की गई। देर शाम ईडी की ओर से अरोड़ा के परिजनों को उनकी गिरफ्तारी की जानकारी दी गई। ईडी ने अरोड़ा को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार किया है। सुपरटेक समूह के खिलाफ दिल्ली, हरियाणा व उत्तर प्रदेश में कई एफआईआर दर्ज हैं। इसी आधार पर ईडी ने सुपरटेक समूह, उसके निदेशकों व प्रमोटरों के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया था। अप्रैल में ईडी ने सुपरटेक और उसके निदेशकों की 40 करोड़ से अधिक की संपत्तियां जब्त की थीं।

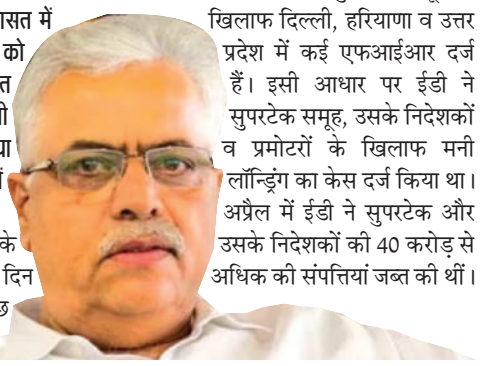

युवा तृणमूल की प्रदेश अध्यक्ष को ईडी ने किया तलब

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में टीचर भर्ती भ्रष्टाचार मामले में अभिनेत्री और युवा तृणमूल की प्रदेश अध्यक्ष सयानी घोष को ईडी ने तलब किया है। बताया जा रहा है कि उन्हें शुक्र वार को कोलकाता स्थित ईडी कार्यालय में उपस्थित होने का आदेश दिया गया है। ईडी सूत्रों के मुताबिक, हुगली के निष्कासित युवा नेता कुंतल घोष की संपत्ति की जांच के दौरान सयानी का नाम सामने आया है। अब जांचकर्ता एजेंसी ईडी उनसे पूछताछ करना चाहती है। सयानी घोष की कुंतल घोष के साथ कई तस्वीरें सामने आई थीं। क्या वह कुंतल घोष को जानता है? सयानी घोष ने कहा,मैं यह कभी नहीं कहूंगी कि मैं कुंतल घोष को नहीं जानती।

छोटे उद्यमियों को मिलेगी दुर्घटना बीमा योजना

योगी कैबिनेट के फैसले : मौत या विकलांगता होने पर परिजनों को मिलेंगे पांच लाख रुपये

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी सरकार ने प्रदेश के छोटे उद्यमियों के लिए बड़ी घोषणा की है। प्रदेश सरकार सूक्ष्म उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री सूक्ष्म उद्यमी दुर्घटना बीमा योजना लागू कर रही है। इसके तहत दुर्घटना में मृत्यु होने या स्थायी अपंगता होने पर उद्यमियों के परिजनों को पांच लाख रुपये प्रदान किए जाएंगे। वहीं, आंशिक स्थायी अपंगता होने पर विकलांगता के अनुपात में सहायता प्रदान की जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। इसके अलावा बैठक में उप्र टाउनशिप नीति, 2023 और उप्र

100
करोड़ मिले संस्कृत विद्यालयों को

नगर योजना और विकास अधिनियम,1973 (संशोधन) अध्यादेश 2023 को भी मंजूरी दी गई। अन्य फैसलों में उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, प्रयागराज का नाम परिवर्तित कर डॉ. राजेंद्र प्रसाद राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय करने पर सहमति दे दी गई है। अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक संस्कृत विद्यालयों के जीर्णोद्धार, मरम्मत और पुनर्निर्माण के लिए 100 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है।

जनपद आगरा एवं मथुरा में पर्यटन विकास के दृष्टिगत हेलीकॉप्टर सेवा संचालन के लिए हेलीपैड को पीपीपी मोड पर निजी निवेशकों के माध्यम से विकसित एवं संचालित कराए जाने की मंजूरी। एसटीएफ लखनऊ के लिए छह इलेक्ट्रिक कार वाहनों के क्रय के लिए 99 लाख रुपये आवंटित किए जाने का निर्णय लिया गया।

कौशांबी की तहसील सिराथू के ग्राम- कोखराज में इंडो-इजराइल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फार फ्रू ट की स्थापना के लिए कृषि विभाग की भूमि उद्यान विभाग को निशुल्क हस्तांतरित करने की मंजूरी दे दी गई।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।